

वर्णमाला

स्वर

- वर्ण वह छोटी से छोटी ध्वनि (आवाज़) होती है जिसके टुकड़े नहीं हो सकते हैं।
- जो वर्ण अपने आप बोले जाते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं।
- स्वरों की जो चिह्न व्यंजनों के साथ लगते हैं उन्हें मात्रा कहते हैं।
- स्वर और उनकी मात्राएँ ये हैं -

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः
- ा ि ि ु ू ृ े ै ो ै ः :

व्यंजन

- वे ध्वनियाँ (आवाज़ें) जो स्वरों की मदद से बोली जाती हैं, व्यंजन कहलाती हैं।
- व्यंजनों का असली रूप क्, ख् आदि है
- जब उनमें 'अ' का स्वर नहीं लगा होता है तब इनके नीचे एक ् एसी लकीर लगा देते हैं, जिसे हलन्त कहते हैं।

व्यंजन (सैंतीस वर्ण)

क्	ख्	ग्	घ्	ङ्
च्	छ्	ज्	झ्	ञ्
ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्
त्	थ्	द्व	ध्व	न्
प्	फ्	ब्	भ्व	म्

य्	र्य	ल्य	व्य
श्	ष्य	स्य	ह्य
क्ष्य	त्र्य	ज्ञ्य	श्र्य

- 'अ' की मात्रा लगने पर व्यंजनों की आवाज़ कअऽ, खअऽ (अ की आवाज़ के साथ) निकलती है ।

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	

- वर्णों के समूह को **वर्णमाला** कहते हैं ।

बारह खड़ी (व्यंजनों के साथ मात्राएँ)

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः ।

ख खा खि खी खु खू खे खै खो खौ खं खः ।

ग गा गि गी गु गू गे गै गो गौ गं गः ।

घ घा घि घी घु घू घे घै घो घौ घं घः ।

ङ ङा ङि ङी ङु ङू ङे ङै ङो ङौ ङं ङः ।

च चा चि ची चु चू चे चै चो चौ चं चः ।

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ छं छः ।

ज जा जि जी जु जू जे जै जो जौ जं जः ।

झ झा झि झी झु झू ज्ञे ज्ञै ज्ञो ज्ञौ ज्ञं ज्ञः ।

ञ ञा ञि ञी ञु ञू ञे ञै ञो ञौ ञं ञः ।

ट टा टि टी टु टू टे टै टो टौ टं टः ।

ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठौ ठं ठः ।

ड डा डि डी डु डू डे डै डो डौ डं डः ।

ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढौ ढं ढः ।

ण णा णि णी णु णू णे णै णो णौ णं णः ।

त ता ति ती तु तू ते तै तो तौ तं तः ।

थ था थि थी थु थू थे थै थो थौ थं थः ।

द दा दि दी दु दू दे दै दो दौ दं दः ।

ध धा धि धु धू धे धै धो धौ धं धः ।

न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ नं नः ।

प पा पि पी पु पू पे पै पो पौ पं पः ।

फ फा फि फी फु फू फे फै फो फौ फं फः ।

ब बा बि बी बु बू बे बै बो बौ बं बः ।

भ भा भि भी भु भू भे भै भो भौ भं भः ।

म मा मि मी मु मू मे मै मो मौ मं मः ।

य या यि यी यु यू ये यै यो यौ यं यः ।

र रा रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः ।

ल ला लि ली लु लू ले लै लो लौ लं लः ।

व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ वं वः ।

श शा शि शी शु शू शे शै शो शौ शं शः ।

स सा सि सी सु सू से सै सो सौ सं सः ।

ह हा हि ही हु हू हे है हो हौ हं हः ।

- 'र' व्यंजन में 'उ' और 'ऊ'की मात्रा हमेशा उसके बीच में लगती है ।

$र + उ = रु$	$र + ऊ = रू$
रुको, रुचि, रुपया	रूप, रूठना, रूस

संयुक्त व्यंजन

हिंदी वर्णमाला में **क्ष, त्र, ज्ञ** और **श्र** संयुक्त व्यंजन हैं क्योंकि ये दो अलग अलग व्यंजनों के मेल से बने हैं ।

क्ष - **क्** + **ष्** + **अ** - रक्षा, क्षमा

त्र - **त्** + **र्** + **अ** - पत्र, चित्र

ज्ञ - **ज्** + **ञ्** + **अ** - यज्ञ, ज्ञान

श्र - **श्** + **र्** + **अ** - श्रम, श्रवण
